# P-1104

Total Pages : 3 Roll No. .....

# DPJ-103

## विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year Examination, 2023 (June)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 100**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. गणों का वर्णन करते हुए बताएं कि सामान्य जीवन में उनकी भूमिका का क्या महत्त्व है?

2. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अष्टकूट मिलान की प्रासंगिकता क्या है?

3. विवाह भंग योग क्या है? उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

4. मांगलिक विचार क्या है विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. सन्तति विचार पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

अथवा

अष्टम भाव से आयु का विचार कैसे किया जाता है?

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. राशि मैत्री से क्या अभिप्राय है?

अथवा

शरीर रूप रंग का ज्ञान कौन-से भाव से किया जाता है?

2. दाम्पत्य सम्बन्ध में ग्रह-राशि भावों के कारकत्व की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

3. विंशोत्तरी दशा का सूक्ष्म परिचय दीजिए।

4. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार गोचर के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।

अथवा

लग्न से तृतीय भाव में शनि का गोचर फल क्या होगा स्पष्ट कीजिए।

5. शनि की ढय्या से आप क्या समझते हैं प्रतिपादन कीजिए।

6. वाग्दान से क्या अभिप्राय है?

7. विवाह भंग योग से क्या तात्पर्य है?

8. विवाह मुहूर्त में प्रमुख विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।